फाल्गुन कृष्ण पक्ष

28 फरवरी से 13 मार्च 2021

ऋतु वसंत
सूर्य
उत्तरायण

तिथि	दिनांक	सूर्योदय	सूर्यास्त
प्रतिपदा	28.02.21	6.51	18.16
अष्टमी	06.03.21	6.45	18.20
अमावस्या	13.03.21	6.37	18.25

तिथि	वार	नक्षत्र	दिनांक	चन्द्र संचार	व्रत पर्व त्योहार
प्रतिपदा	रवि	पूर्वा फा.	28.02.21	कन्या 15.05	सर्वार्थ सिद्धि योग 9.35 से 30.51 तक
द्वितीया तृतीया	सोम	उत्तराफा. हस्त	01.03.21	कन्या	तृतीया तिथि का क्षय
चतुर्थी	मंगल	चित्रा	02.03.21	तुला 16.29	चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय 21.42 तक
पंचमी	बुध	स्वाती	03.03.21	तुला	माँ यशोदा जयंती, महाकाल पूजा प्रारंभ
षष्ठी	गुरू	विशाखा	04.03.21	वृश्चि. 18.21	सर्वार्थ सिद्धि योग 23.56 से 30.46 तक
सप्तमी	शुक्र	अनुराधा	05.03.21	वृश्चिक	कालाष्टमी, सर्वार्थ सिद्धि योग 6.46 से 22.37 तक
अष्टमी	शनि	ज्येष्ठा	06.03.21	धनु 21.37	श्री जानकी व्रत, अष्टका श्राद्ध
नवमी	रवि	मूल	07.03.21	धनु	रामदास जयंती, सर्वार्थ सिद्धि योग 6.44 से 20.58
दशमी	सोम	पूर्वाषाढ़	08.03.21	म. 26.40	महर्षि दयानन्द जयंती, विश्व महिला दिवस
एकादशी	मंगल	उत्तराषाढ़	09.03.21	मकर	विजया एकादशी व्रत (सबका)
द्वादशी	बुध	श्रवण	10.03.21	मकर	प्रदोष व्रत
त्रयोदशी	गुरू	धनिष्ठा	11.03.21	कुम्भ 9.23	पंचक प्रारंभ 9.23 से, वैद्यनाथ जयंती, महाशिवरात्रि व्रत
चतुर्दशी	शुक्र	शतभिषा	12.03.21	कुम्भ	पंचक
अमावस्या	शनि	पूर्वाभाद्र	13.03.21	मीन 17.58	पंचक, देवपितृ कार्य अमावस्या, शनैश्चरी अमावस्या, शिव खप्पर पूजा

स्वयंसिद्ध मुहूर्त : नीचे दिये गए साढ़े तीन मुहूर्त स्वयंसिद्ध माने जाते हैं, जिनमे पांचांग की शुद्धि देखने की आवश्यकता नहीं है। 1.चैत्र शुक्ल प्रतिपदा 2. वैशाख शुक्ल तृतीया 3. आश्विन शुक्ल दशमी 4. दीपावली का प्रदोषकाल। भारत वर्ष में इनके अतिरिक्त लोकाचार और देशाचार के अनुसार निम्नलिखित तिथियों को भी स्वयंसिद्ध मुहूर्त माना जाता है- 1. भड्डली नवमी 2. देवोत्थानी एकादशी 3. वसंत पंचमी 4. फुलेरा दूज इनमें (स्वयंसिद्ध मुहूर्तों में) किसी भी कार्य को करने के लिए पंचांग शुद्धि देखने की आवश्यकता नहीं है। परंतु विवाह आदि में तो पंचांग में दिये गये मुहूर्तों को ही स्वीकार करना उत्तम माना गया है।